अफारा या पेट फूलना (Bloat)

कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र
संयुक्त निदेशालय प्रसार शिक्षा
भाकृअप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान
इज्जतनगर - 243122 (उ. प्र.)

अन्य नाम—अफारा, टिम्पनाइटिस, ब्लोट (Bloat) रूमिनल टिम्पनी (Ruminal Tympany)।

परिचय – जुगाली करने वाले पशु द्वारा बहुतायत में चारा (विशेषकर हरा चारा) खा लेने के परिणाम स्वरूप पेट फूल जाता है और कष्ट का कारण होता है।

कारण

- अधिक कार्बोहाइड्रेट युक्त पदार्थों का सेवन।
- हरा चारा जो ओस अथवा वर्षा से भीगा रहता है, के खाने से।
- सड़ा–गला चारा या चारे में अचानक परिवर्तन करने से।
- गीला, दलहनी या रसदार चारा (बरसीम/लूसर्न आदि) खाने से।
- रूमेन की माँसपेशी की टोन का हरास होने से (Loss of tone of the muscles of the rumen)।

टिम्पनाइटिस के लक्षण सारांश में

- पशु का जुगाली (पागुर) बन्द।
- पशु हमेशा बायीं ओर देखता है।
- पिछले पैर पटकना एवं पेट पर मारना।
- बायीं तरफ का पेट फूला हुआ।

- मुँह खुला एवं नाक फैली हुई।
- श्वास लेने में तकलीफ।
- फूले हुये पेट को थपथपाने पर ढोल जैसी आवाज।
- पेशाब, पाखाना जल्दी–जल्दी अथवा बन्द।
- कष्ट के कारण कराहना।
- पशु बार–बार उठता बैठता है।

रोग निदान (Diagnosis) – पशु के खाने का इतिहास और उपस्थित लक्षणों को देखकर रोग का निदान किया जाता है। बायीं कोख को थपथपाने से डम–डम या ढोल जैसी आवाज का आना इस रोग का निश्चयात्मक लक्षण है।

उपचार – यदि टिम्पनाइटिस बहुत तीव्र प्रकार की हो तो पशु का दम घुटने की आशंका रहती है, तो ऐसी स्थिति में टोकार और केनूला की सहायता से रूमेन (Left flank of Rumen) को तुरन्त पन्चर (Puncture) कर देना चाहिये। इसके अभाव में रूमेन की गैस को मोटी इनाकुेशन सुई से भी किसी हद तक निकाला जा सकता है। परन्तु यह केवल पशु चिकित्सक की उपस्थिति मे करना चाहिए।

टिम्पोल (Timpol-I.H.) 100 ग्राम गुनगुने पानी में मिलाकर पिलावें अथवा ब्लोटोनॉक्स (Blotinox) या ब्लोटासिल (Blotasil) 100 मि.ली. गुनगुने पानी में मिलाकर पिलावें।

उपरोक्त औषधियाँ उपलब्ध न होने पर लिनसीड तेल 200 मि.ली. पिला सकते हैं।

एण्टी–हिस्टामीन एवं एण्टी एलर्जिक जैसे–एविल/कैडिस्टिन आदि 5–10 मिली. माँस में (I.M.)।

टेम्पनाइटिस से आराम होने पर हिमालय बत्तीसा 20 ग्राम 4–5 दिन तक खिलायें।

लिवर इक्स्ट्रेक्ट विद 'बी' कम्पलेक्स (Liver extract with B complex) 10 मि.ली. I.M. विधि से 4–5 दिन तक।

झागवाला अफारा (Frothy Bloat**)**

परिचय – इसमें पेट के अपाच्य पदार्थ (Undigested materials) के साथ गैस के बुलबुले हो जाते हैं जिससे पेट फूल जाता है।

कारण –

- हरा और रसदार चारा खाने से।
- चोकर आदि अधिक खा लेने से।
- मटर, चना, जौ आदि काफी मात्रा में खा लेने से।
- दो दाल वाले चारे (बरसीम आदि) अधिक खिला देने से।

लक्षण – पशु का पेट फूल जाता है, पर अधिक नहीं। पेट को थपथपाने पर ढोल जैसी आवाज नहीं होती। पशु बेचैन रहता है, कराहता है और

बार–बार बायीं पेट की ओर देखता है। पशु चारा खाना बन्द कर देता है और बार–बार उठता बैठता हैं

निदान – रोग का वास्तविक निदान ट्रोकेराइजेशन (उदर में से तरल पदार्थ निकालकर उसकी जांच से) एवं बुलबुलों की उपस्थिति देखकर होता है।

उपचार

इसकी चिकित्सा टिम्पेनाइटिस (ड्राई ब्लॉट) के ही समान होती है।

संरक्षण : **डा0 राज कुमार सिंह**
निदेशक, भ0कृ0अ0प0–भारतीय पशु चिकित्सा अनुसांधन संस्थान, इज्जतनगर– 243122(उ0प्र0)

मार्गदर्शन: **डा0 महेश चन्द्र**
संयुक्त निदेशक, प्रसार शिक्षा, भाकृअप–भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर– 243122 (उ0 प्र0)

लेखक : **डा0 सुमित महाजन**
वैज्ञानिक, औषधि विभाग

संपादन : **डा0 रूपसी तिवारी**
प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी एटिक, भाकृअप–भारतीय पशु चिकित्सा अनुसधांन संस्थान, इज्जतनगर– 243122 (उ0 प्र0)

अधिक जानकारी हेतु संपर्क :
आई0वी0आर0आई0 हेल्पलाइन, 0581–2311111
किसान कॉलसेन्टरः 1800–180–1551
आई0 वी0 आर0 आई0 बेवसाइट : www.ivri.nic.in